# फार्मर फर्स्ट परियोजना – में सहभागिता दृश्टिकोण से कार्य कर– डॉ. चहल

## फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जबलपुर दिनांक 06.09.2018। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) के अंर्तगत माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर के अथक प्रयासों के फलस्वरूप इस विश्वविद्यालय को **''फार्मर फर्स्ट परियोजना''** की महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित हुई है। इसी तारत्म्य में आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से डॉ. वेद प्रकाश चहल जी, सह–महानिर्देशक (कृषि विस्तार) द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंगीकृत ग्रामों का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया एवं विश्वविद्यालय के सभागार में आपके मुख्य आतिथ्य में विस्तृत रूप से समीक्षा बैठक सम्पन्न की गई। इस दौरान डॉ. वेद प्रकाश चहल जी ने सुझाव दिये कि वैज्ञानिक कृषि व कृषकों के साथ भागीदारी दृष्टिकोण अपनाये और गाँव स्तर पर समस्याओं को जाने समझे व उनका निवारण करेगे, तो इस परियोजना की उपयोगिता है, व सही लाभ कृषकों को मिलेगा। बैठक के प्रारंम्भ में डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार सेवायें, द्वारा परियोजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान डॉ. वेद प्रकाश चहल जी, सह–महानिर्देशक (कृषि विस्तार) का डॉ. एस.एन.एस. परमार, अधिष्ठाता संकाय, द्वारा स्वागत व सम्मान किया गया। इस समीक्षा बैठक में डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, डॉ. एस.के. महाजन, प्रभारी अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर परियोजना के सभी उपप्रमुख अन्वेषक जिनमें डॉ. वी.के. शुक्ला, प्रोफेसर, जे.न.क. वि.वि., डॉ. देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. एस.एन. शुक्ला, डॉ. अन्जू नायक, डॉ. के.पी.एस. सैनी, परियोजना एस.आर.एफ., श्री विजय चौकसे व श्री आशीष यादव, परियोजना के क्षेत्रीय सहायक की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. ए.के. गौर, (प्रमुख अन्वेषक), फार्मर फर्स्ट परियोजना द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. शेखर सिंह बघेल, वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान विभाग जे.न.कृ.वि.वि., द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि., जबलपुर